

हिन्दी साहित्य

मुख्य परीक्षा हेतु टेस्ट सीरीज़ 2026

मार्गदर्शन-आधारित एवं सुव्यवस्थित रणनीति के साथ हिन्दी साहित्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम की तैयारी



PROGRAMS (COHORT - 1)

O-AWFG

- ← 20 DAWTs
- ← 2 FULL LENGTH TESTS

कौन जुड़ें?

हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम से आशंकित और उत्तर लेखन शुरू करने के तरीके को लेकर असमंजस में पड़े उम्मीदवारों के लिए।

01 JUNE
2026

PROGRAM FEES ₹ 10,500

O-AWFG PRIME

- ← 20 DAWTs
- ← 4 SECTIONAL ← 4 FLT

कौन जुड़ें?

वे उम्मीदवार जो पाठ्यक्रम जानते हैं लेकिन नियमित रूप से लिख नहीं सकते, इस अभ्यास से उनका अनुशासन बढ़ेगा।

01 JUNE
2026

PROGRAM FEES ₹ 13,500

ATS

- ← 4 SECTIONAL ← 4 FLT
- ← 2 SIMULATORS

कौन जुड़ें?

जिन उम्मीदवारों के उत्तर अच्छे से लिखे होते हैं लेकिन बार-बार परीक्षा देने के बावजूद उन्हें अंक नहीं मिलते, उनके लिए यह कोर्स उपयोगी है।

07 JUNE
2026

PROGRAM FEES ₹ 11,500

अध्ययन यात्रा



ऑप्शनल सिमुलेटर्स

वैकल्पिक विषय के सिमुलेटर, जो UPSC मुख्य परीक्षा की वास्तविक कठिनाई और परिवेश को प्रतिबिंबित करते हैं।

फुल लेंथ टेस्ट

पेपर I और II के लिए फुल लेंथ टेस्ट, मध्यम से उच्च कठिनाई स्तर जो व्यापक पाठ्यक्रम कवरेज, को सक्षम बनाते हैं।

सेक्शनल टेस्ट

सेक्शनल टेस्ट, जो DAWT और फुल लेंथ टेस्ट के बीच के अंतराल को दूर करते हैं।

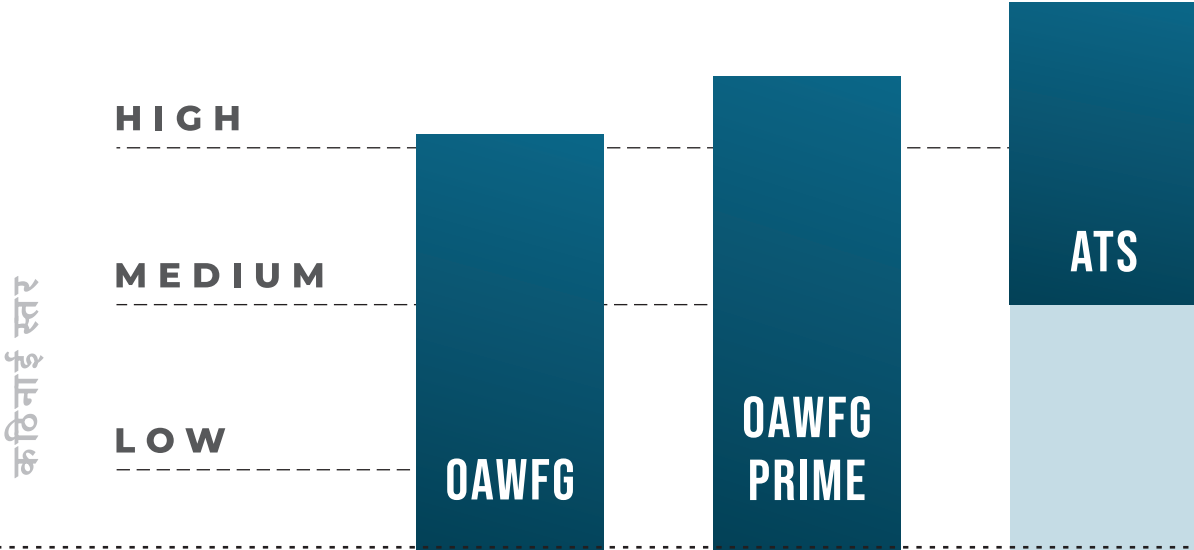
DAWT

20 डेली आंसर राइटिंग टेस्ट (DAWT), जो छात्रों को (उत्तर की) संरचना, अभिव्यक्ति, तारतम्यता और दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करते हैं।

कंटेंट ब्लूप्रिंट

संरचित प्री-रीडिंग, जो अवधारणात्मक रूपरेखा, विचारकों, पारिभाषिक शब्दावली और विषयगत स्पष्टता प्रदान करती है।

सही टेस्ट सीरीज़ कैसे चुनें? टेस्ट सीरीज़?



फैकल्टी क्या अनुशंसा करती है?

O-AWFG संतुलित

दैनिक उत्तर लेखन के माध्यम से हिंदी साहित्य की बुनियाद तैयार करना। रोज़ सोचें। रोज़ लिखें। क्रमिक रूप से सुधार करें।

O-AWFG PRIME अत्यधिक गहन

DAWT, सेक्शनल परीक्षाओं एवं PYQ मार्गदर्शन के माध्यम से हिंदी साहित्य की अवधारणाओं में दक्षता प्राप्त करें।



डॉ. अजय पाण्डेय
हिंदी साहित्य

ATS परीक्षा जैसा अनुभव

क्या आप पहले से हिन्दी साहित्य बेसिक्स या PYQ उत्तर-लेखन में आत्मविश्वास रखते हैं? तो आप सीधे ATS में नामांकन कर सकते हैं।

12 केंद्रों में उपलब्ध

करोल बाग	मुखर्जी नगर	गुरुग्राम	बेंगलुरु	हैदराबाद	कोलकाता
भोपाल	पटना	जयपुर	लखनऊ	तिरुवनंतपुरम	पुणे

शुल्क:

Course	Deliverables	Fees (for both Online & Offline)
हिंदी साहित्य OAWFG	20 DAWT + 2 FLT	₹ 10,500/- (सभी कर सहित)
हिंदी साहित्य OAWFG प्राइम	20 DAWT + 4 सेक्शनल टेस्ट + 4 FLT	₹ 13,500/- (सभी कर सहित)
हिंदी साहित्य ATS	4 सेक्शनल टेस्ट + 4 FLT + 2 ऑप्शनल सिमुलेटर	₹ 11,500/- (सभी कर सहित)
हिंदी साहित्य OGP एडवांस्ड	20 AWSM Classes + 20 DAWT + 4 FLT	₹ 17,500/- (सभी कर सहित)
हिंदी साहित्य OGP एडवांस्ड+	20 AWSM Classes + 20 DAWT + 4 सेक्शनल टेस्ट + 4 FLT	₹ 20,500/- (सभी कर सहित)
ऑप्शनल सिमुलेटर	2 फुल लेंथ टेस्ट	₹ 1,999/- (सभी कर सहित)

शुल्क में छूट:

यह कार्यक्रम फोरमआईएस जीएस फाउंडेशन और एमजीपी छात्रों के लिए 3000/- रुपये के छूट पर उपलब्ध है। यह कार्यक्रम फोरमआईएस पीटीएस छात्रों के लिए 2,000/- रुपये के छूट पर उपलब्ध है। यह कार्यक्रम ऊपर बताए गए पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों से फोरमआईएस छात्रों के लिए 1,000/- रुपये के छूट पर उपलब्ध है।

शुल्क भुगतान एवं नामांकन

छात्र नीचे दिए गए माध्यमों से शुल्क का भुगतान कर कार्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं:

- वेबसाइट: <https://academy.forumias.com> पर जाकर नेट बैंकिंग / डेबिट / क्रेडिट कार्ड / यूपीआई आदि के माध्यम से भुगतान करके।
- ऑफ़लाइन मार्गदर्शन केंद्र* पर जाकर और क्रेडिट कार्ड / डेबिट कार्ड / चेक / डीडी के माध्यम से भुगतान करके।

किसी भी जानकारी के लिए आप हमें +91 – 93117 40941 | + 91 – 93117 40400 पर कॉल कर सकते हैं या admissions@forumias.academy पर हमें लिख सकते हैं।

नियम एवं शर्तें

- एक बार भुगतान किया गया शुल्क वापस नहीं किया जायेगा। पाठ्यक्रम किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरित भी नहीं किया जा सकता।
- पाठ्यक्रम 30 अगस्त 2026 तक वैध रहेगा।
- ForumIAS का प्रत्येक कार्यक्रम ForumIAS अकाउंट से एक निश्चित मोबाइल नंबर से जुड़ा हुआ है। किसी भी कार्यक्रम को साझा करने की अनुमति नहीं है। यदि उम्मीदवार कार्यक्रम साझा करते पाए जाते हैं, तो ForumIAS उम्मीदवार को कोई धनवापसी किए बिना उस या सभी कार्यक्रमों तक पहुंच समाप्त करने के लिए स्वतंत्र होगा। कंपनी ऐसे कंटेंट को साझा करने और बेचने वाले उम्मीदवारों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर सकती है।
- ForumIAS को अपनी क्षमता के अनुसार नामांकन रद्द करने का पूरा अधिकार होगा। ForumIAS किसी भी आपात स्थिति के मामले में अपने कार्यक्रम में संशोधन करने के लिए स्वतंत्र होगा।
- अप्रत्याशित घटना:** फ्लेविंट नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड ("FNPL") इस कार्यक्रम को सर्वोत्तम प्रयास और सद्भावना के आधार पर वितरित करेगा। कार्यक्रम की सदस्यता लेने से, आप समझते हैं कि किसी अप्रत्याशित घटना, जैसे प्राकृतिक आपदा, विपत्ति, महामारी का प्रकोप, दुर्घटना, शारीरिक क्षति, कार्यक्रम के वितरण में सीधे तौर पर शामिल किसी भी व्यक्ति की बीमारी के मामले में FNPL कार्यक्रम को संशोधित, परिवर्तित या बंद करने का अधिकार सुरक्षित रखता है और इससे उत्पन्न होने वाले किसी भी वित्तीय दायित्व के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। सभी विवाद दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के अधीन होंगे।

Annexure – I (ATS Test Schedule)

#	DAY DATE	TEST TYPE	SYLLABUS
1	7 जून, 2026 रविवार	सेक्शनल टेस्ट 1 (936211)	प्रश्नपत्र-1 खंड : 'क'
2	14 जून, 2026 रविवार	सेक्शनल टेस्ट 2 (936212)	प्रश्न पत्र-1 खंड 'ख'
3	21 जून, 2026 रविवार	सेक्शनल टेस्ट 3 (936213)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'क';
4	28 जून, 2026 रविवार	सेक्शनल टेस्ट 4 (936214)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख';
5	05 जुलाई 2026 रविवार	फुल लेंथ टेस्ट 1 (936215)	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम
6	12 जुलाई, 2026 रविवार	फुल लेंथ टेस्ट 2 (936216)	प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम
7	19 जुलाई 2026 रविवार	फुल लेंथ टेस्ट 3 (936217)	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम
8	26 जुलाई 2026 रविवार	फुल लेंथ टेस्ट 4 (936218)	प्रश्नपत्र- 2 संपूर्ण पाठ्यक्रम
9	09 अगस्त 2026 रविवार	ऑप्शनल सिम्युलेटर टेस्ट 1 (936219)	प्रश्नपत्र-1
10		ऑप्शनल सिम्युलेटर टेस्ट 2 (936220)	प्रश्नपत्र- 2

Annexure – II (AWFG Test Schedule)

#	DAY DATE	TEST TYPE	TOPICS
प्रश्न पत्र-1			
1.	1 जून सोमवार	DAWT 1 (936341)	खंड : 'क' 1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। 2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
2.	3 जून बुधवार	DAWT 2 (936342)	3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। 4. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास। 5. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।
3.	5 जून शुक्रवार	DAWT 3 (936343)	6. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 7. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
4.	8 जून सोमवार	DAWT 4 (936344)	8. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास। 9. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।
5.	10 जून बुधवार	DAWT 5 (936345)	10. नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। 11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।
	12 जून शुक्रवार	सेक्शनल टेस्ट 1 (936211)	प्रश्नपत्र-1 खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)
6.	15 जून सोमवार	DAWT 6 (936346)	खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास) 1. हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा।
7.	17 जून बुधवार	DAWT 7 (936347)	2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ (क) आदिकाल, (ख) भक्ति काल, (ग) रीतिकाल, (घ) आधुनिक काल, (ड.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। प्रमुख कवि
8.	19 जून शुक्रवार	DAWT 8 (936348)	3. कथा साहित्य: (क) उपन्यास और यथार्थवाद (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास (ग) प्रमुख उपन्यासकार (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास। (ड) प्रमुख कहानीकार

9.	22 जून सोमवार	DAWT 9 (936349)	4. नाटक और रंगमंच : (क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख नाटककार (ग) हिन्दी रंगमंच का विकास
10.	24 जून बुधवार	DAWT 10 (936350)	5. आलोचना : (क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख आलोचक 6. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।
	26 जून शुक्रवार	सेक्शनल टेस्ट 2 (936212)	खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)
प्रश्न पत्र-2			
11.	29 जून सोमवार	DAWT 11 (936351)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य 1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास 2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल
12.	1 जुलाई बुधवार	DAWT 12 (936352)	3. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड) 4. जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास
13.	3 जुलाई शुक्रवार	DAWT 13 (936353)	5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर 6. मैथिलीशरण गुप्त : भारत-भारती
14.	6 जुलाई सोमवार	DAWT 14 (936354)	7. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) 8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा 9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र
15.	8 जुलाई बुधवार	DAWT 15 (936355)	10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा) 11. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस 12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।
	10 जुलाई शुक्रवार	सेक्शनल टेस्ट 3 (936213)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य
16	13 जुलाई सोमवार	DAWT 16 (936356)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
17	15 जुलाई बुधवार	DAWT 17 (936357)	3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)। 4. निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय।
18	17 जुलाई शुक्रवार	DAWT 18 (936358)	5. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय) 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त
19	20 जुलाई सोमवार	DAWT 19 (936359)	7. यशपाल : दिव्या 8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल
20	22 जुलाई बुधवार	DAWT 20 (936360)	9. मन्नू भण्डारी : महाभोज 10. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)
	24 जुलाई शुक्रवार	सेक्शनल टेस्ट 4 (936214)	प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य
	27 जुलाई सोमवार	फुल लेंथ टेस्ट 1 (936215)	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम
	29 जुलाई बुधवार	फुल लेंथ टेस्ट 2 (936216)	प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम
	31 जुलाई शुक्रवार	फुल लेंथ टेस्ट 3 (936217)	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम
	03 अगस्त सोमवार	फुल लेंथ टेस्ट 4 (936218)	प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम

ऑप्शनल सिम्युलेटर

9 अगस्त 2026 रविवार	प्रश्नपत्र-1	(936219)
	प्रश्नपत्र-2	(936220)

SYLLABUS

1.	<p>प्रश्नपत्र-1: खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। 2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। 3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। 4. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और देवनागरी लिपि का विकास। 5. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का मानकीकरण। 6. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 7. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 8. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास। 9. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध। 10. देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। 11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।
2.	<p>प्रश्न पत्र-1: खंड 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा। 2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ (क) आदिकाल: सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य। प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति। (ख) भक्ति काल: संत काव्य धारा, सूफ़ी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी। (ग) रीतिकाल: रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद। (घ) आधुनिक काल: (क) नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र। (ङ.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। प्रमुख कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन। 3. कथा साहित्य: (क) उपन्यास और यथार्थवाद (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास (ग) प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी। (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास। (ङ) प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती। 4. नाटक और रंगमंच : (क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश। (ग) हिन्दी रंगमंच का विकास। 5. आलोचना : (क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा। (ख) प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र। 6. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।
3.	<p>प्रश्नपत्र-1 खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। 2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। 3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। 4. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और देवनागरी लिपि का विकास। 5. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का मानकीकरण। 6. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। 7. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।

	<p>8. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।</p> <p>9. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।</p> <p>10. देवनागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप।</p> <p>11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।</p>
4.	<p>प्रश्न पत्र-1 खंड 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)</p> <p>1. हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा।</p> <p>2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ (क) आदिकाल: सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य। प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति। (ख) भक्ति काल: संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि: कबीर, जायसी, सूर और तुलसी। (ग) रीतिकाल: रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य प्रमुख कवि: केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद। (घ) आधुनिक काल: (क) नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक: भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र। (ङ) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। प्रमुख कवि: मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन।</p> <p>3. कथा साहित्य: (क) उपन्यास और यथार्थवाद (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास (ग) प्रमुख उपन्यासकार: प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी। (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास। (ङ) प्रमुख कहानीकार: प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती।</p> <p>4. नाटक और रंगमंच: (क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास (ख) प्रमुख नाटककार: भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश। (ग) हिन्दी रंगमंच का विकास।</p> <p>5. आलोचना: (क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा। (ख) प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र।</p> <p>6. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।</p>
5.	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम
6.	<p>प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य</p> <p>1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास</p> <p>2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल</p> <p>3. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड)</p> <p>4. जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास</p> <p>5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर</p> <p>6. मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती</p> <p>7. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)</p> <p>8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुरुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा</p> <p>9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र</p> <p>10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)</p> <p>11. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस</p> <p>12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।</p>

7.	<p>प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन 3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)। 4. निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय। 5. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय) 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त 7. यशपाल : दिव्या 8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल 9. मन्नू भण्डारी : महाभोज 10. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)
8.	<p>प्रश्न पत्र-2 खंड 'क'; पद्य साहित्य</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास 2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल 3. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड) 4. जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास 5. बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर 6. मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती 7. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) 8. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा 9. रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र 10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा) 11. मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस 12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।
9.	<p>प्रश्न पत्र-2 खंड 'ख'; गद्य साहित्य</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. भारतेन्दु : भारत दुर्दशा 2. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन 3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)। 4. निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय। 5. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय) 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त 7. यशपाल : दिव्या 8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल 9. मन्नू भण्डारी : महाभोज 10. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)
10.	प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम
11.	प्रश्नपत्र-1 संपूर्ण पाठ्यक्रम
12.	प्रश्नपत्र-2 संपूर्ण पाठ्यक्रम